

षष्ठभक्त वि. (तत्.) प्रति तीसरे दिन शाम के समय खाने वाला पुं. पाँचवे के बाद छठा भोजन।

षष्ठांश पुं. (तत्.) किसी भी वस्तु आदि का छठा भाग, जो प्राचीन काल में अन्नोत्पादन का षष्ठांश राजस्व के रूप में दिया जाता था। अथवा ऋषियों द्वारा किये गये तप का षष्ठांश राजा को देय होता था।

षष्ठिका स्त्री. (तत्.) षष्ठी, बच्चे के जन्म से छठे दिन मनाया जाने वाला पारिवारिक उत्सव।

षष्ठी स्त्री. (तत्.) 1. भारतीय मास में प्रत्येक पक्ष की छठी तिथि 2. संतान उत्पन्न होने के दिन से छठा दिन 3. छट्ठी (बच्चे के कल्याण के लिए की जाने वाली कात्यायनी पूजा) 4. संस्कृत में संबंध कारक की विभक्ति।

षष्ठी तत्पुरुष पुं. (तत्.) तत्पुरुष समास का पाँचवा भेद जिसमें पूर्वपद संबंध कारक की विभक्ति (का, की, के, आदि) से युक्त होता है जैसे- आम्रवृक्ष=आम का वृक्ष।

षष्ठी पूजन पुं. (तत्.) बच्चे के प्रसव से छठे दिन होने वाली षष्ठी देवी की पूजा, छठपूजा।

षष्ठीपूजा स्त्री. (तत्.) दे. षष्ठी-पूजन।

षष्ठ्यंशक पुं. (तत्.) एक प्रकार का वह यंत्र जिससे नक्षत्रों के सहारे जहाज की स्थिति का निर्धारण होता है।

षष्ठ्य पुं. (तत्.) किसी वस्तु का छठा भाग।

षहसानु पुं. (तत्.) 1. यज्ञ 2. मयूर, मोर।

षांड पुं. (तत्.) शिव, शंकर।

षांडता स्त्री. (तत्.) नपुंसक होने की स्थिति, नपुंसकता।

षांड्य पुं. (तत्.) नामर्दी, नपुंसकता, क्लैव्य।

षाडव पुं. (तत्.) 1. गान 2. राग की एक जाति जिसमें कुल छह स्वरों का प्रयोग होता है 3. रस 4. मिठाई।

षाड्गुण्य पुं. (तत्.) 1. छह गुणों से युक्त 2. छह गुणों का समूह। 3. राजनीति में व्यवहार योग्य छह कर्म या गुण जैसे- संधि, विग्रह, यान (चटाई), आसन (विश्राम), दैवीभाव और संश्रय

4. किसी संख्या को छह से गुणा करने पर प्राप्त गुणनफल।

षाण्मातु वि. (तत्.) जिसकी छः माताएँ हों पुं. कार्तिकेय, स्कंद।

षाण्मातुर पुं. (तत्.) शिव-पार्वती पुत्र कार्तिकेय (इनका पालन छः माताओं द्वारा किया गया था)।

षाण्मासिक वि. (तत्.) 1. छः महीने में होने वाला कोई कार्य, छमाही जैसे- षाण्मासिकी परीक्षा 2. मृत्यु के छह माह बाद होने वाला मृतक श्राद्ध।

षाष्टिक वि. (तत्.) साठ वर्ष की अवस्था वाला, साठ का।

षाष्टिक पद्धति स्त्री. (तत्.) गणि. वह संख्या पद्धति जिसमें कोणों को नापने में या समय मापने में 60 साठ को आधार माना जाता है, यह पद्धति दशमिक पद्धति से भिन्न होती है।

षाष्टिक वि. (तत्.) 1. जो छठे से संबंधित हो 2. जिसकी छठे अध्याय में व्याख्या की गई है पुं. 3. चार मास का एक व्रत जिसमें हर छठे दिन केवल दूध के साथ भोजन किया जाता है।

षिवना अ.क्रि. (तत्.) विनष्ट हो जाना।

षोडंत वि. (तत्.) छह दांतों वाला।

षोडश वि. (तत्.) 1. सोलह 2. सोलहवाँ पुं. सोलह की संख्या।

षोडश कला स्त्री. (तत्.) (चंद्रमा की) सोलह कलाएँ या अंश जैसे- अमृता, मानदा, पूषा, तुष्टि, रति, धृति, शशिनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्स्ना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्णा और पूर्णामृता जो तिथि के अनुसार घटती-बढ़ती रहती है।

षोडशगण पुं. (तत्.) 1. पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ, पाँचकर्मेन्द्रियाँ, एक मन, तथा पंचमहाभूत का समूह 2. सोलह वस्तुओं का समूह।

षोडश चंद्रकला स्त्री. (तत्.) चांद्रमास में तिथि के अनुसार घटने-बढ़ने वाली अमृता, मानदा आदि चंद्रमा की सोलह कलाएँ।

षोडश दान पुं. (तत्.) श्राद्धआदि के अवसर पर देयदान की सोलह वस्तुएँ जैसे- भूमि, आसन, गाय, सोना, चाँदी, पानी, कपड़ा, दीपक, अन्न,